2017-18

सत्र 2013

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र प्रथम (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1.
- कथक का नामकरण, कथक के पर्यायवाची शब्द, कथक शब्द की व्युत्पत्ति, कथक शब्द की प्रयोग परम्परा।
- कथक व नटवरी नृत्य।
- कथक नृत्य की विकास धारा।

इकाई 2.
- ताण्डव व लास्य नृत्य – उत्पत्ति, परिभाषा एवं प्रकार।
- निम्न पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान– हाव–भाव, कटाक्ष, अंदाज़, व्यूह–क्रिया, सप्त पदार्थ, सप्त अवयव, सप्त माल, न्यासविन्यास, सोलह श्रृंगार, सोलह अंग, बारह आभूषण।

इकाई 3.
- कथक के नृत्तांग का सामान्य परिचय।
- नृत्तांग के मूलभूत तत्व– हस्तक, भ्रमरी, ताल प्रबंध, विशुद्ध नृत्य के बोल, तबला पखावज के बोल व परमेलु का तात्विक अध्ययन।

इकाई 4.
- कथक शैली के भाव प्रदर्शन की विधियाँ– नयनभाव, बोलभाव, सभाभाव, अर्थभाव, नृत्यभाव, गतअर्थभाव, अंगभाव, गतभाव व कवित्त।
- कथक के भाव प्रदर्शन की विशेषता।

इकाई 5.
- नृत्य (नाट्य) के मंच प्रदर्शन की आधुनिक विधियाँ– आलेख लेखन, संगीत रचना, नृत्य निर्देशन, ध्वनि एवं प्रकाश योजना, मंचव्यवस्था, मंच परिकल्पना।
- नृत्य के विकास व प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका।

Vijaya Sharma
05/3/2013 05/3/13
S. Khanwalkar S. Khanwalkar

04/3/15 04/3/2015 Vijaya Sharma V. Verma 4/3/15 S. Khanwalkar 4 Mar. 15

सत्र 2012 – 13

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र द्वितीय (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. दिये गये कथानकों पर निम्न बिन्दुओं के आधार पर नृत्यनाटिका की संरचना– विषयवस्तु, पात्र चयन, मंचसज्जा, प्रकाश योजना, वेशभूषा, प्रयोग में लाई गई हस्त मुद्राएँ, रस एवं वाद्यवृंद।

इकाई 2.
- बोल रचना– परिक्षक द्वारा निर्धारित ताल के अंतर्गत दिए गए शब्दों पर बोलों की संरचना।
- निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी–

1. मार्गी व देसी नृत्य।
2. आधुनिक युग में कथक शैली में किए गए सृजनात्मक प्रयोग– युगल, समूहनर्तन, फ्युजन।
3. 20वीं शताब्दी में नृत्य का विकास।
4. मध्य प्रदेश में नृत्य परंपरा। (कथक नृत्य के विशेष सन्दर्भ में)

S. Khanwalu 05/3/2013

S. Khanwalu 05/3/13

S. Khanwalu 4th Mar 15

04/3/15

04/3/2015

4/3/15

सत्र 2012 – 13
एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)
प्रायोगिक प्रश्नपत्र प्रथम (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100
न्यूनांक – 33

मंच प्रदर्शन

इकाई 1. मंच प्रदर्शन – 30 मिनिट तक नृतांग की तथा 15 मिनिट अभिनय की प्रस्तुती।

इकाई 2. परीक्षक द्वारा पूछे गए ताल अथवा अभिनय रचना पर प्रदर्शन की क्षमता।

इकाई 3. तत्कार, बाँट, लड़ी, पल्टे आदि का प्रदर्शन।

सत्र 2012 – 13
एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)
प्रायोगिक प्रश्नपत्र द्वितीय (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100
न्यूनांक – 33

विविध नर्तन

इकाई 1. निम्नलिखित विशिष्ट प्रकार की परनों पर नृत्य प्रदर्शन। (35 अंक)
ऋतु परन, दुर्गा परन, पक्षी परन, जाति परन, शिव परन, गणेश परन, प्रिमलू आदि।

इकाई 2. कजरी अथवा चैती पर आधारित नृत्य रचना। (25 अंक)

इकाई 3. ध्रुपद पर आधारित नृत्य रचना। (25 अंक), अथवा भजन
– तराना

इकाई 4. द्रुत लय में बोल परनों को करने का अभ्यास। (15 अंक)

इकाई 5. राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित बंदिशों पर नृत्य प्रदर्शन.

Vijaya Sharma
05/3/2013
S. Khanwalk.
05/3/13
S. Khanwalk.

S. Khanwalk
4th Mar. 15
04/3/15
04/3/2015